

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सहि सैनी ने घोषणा की कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से तीर्थयात्रियों को [अयोध्या](#) और अन्य पवित्त्र स्थलों की यात्रा करने की सुविधा प्रदान कर रही है।

मुख्य बंदि:

- इस योजना के तहत **1.80 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवार के 60 वर्ष से अधिक आयु के सदस्यों को अयोध्या, [वाराणसी](#) और अन्य पवित्त्र स्थलों** की तीर्थयात्रा के लिये ले जाया जाता है।
- मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार ने राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये कई कदम उठाए हैं।
 - **कुरुक्षेत्र धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनता जा रहा है**, जो देश भर से और अंतरराष्ट्रीय स्तर से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है
 - अन्य स्थानों पर भी पर्यटन के अवसरों को तलाशने के प्रयास किये जा रहे हैं।

वाराणसी

- वाराणसी **दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश राज्य** में है। यह **गंगा नदी के बाएँ किनारे पर स्थित** है और हिंदू धर्म के सात पवित्त्र शहरों में से एक है।
- यह विश्व के सबसे पुराने बसे शहरों में से एक है। इसका प्रारंभिक इतिहास मध्य **गंगा घाटी** में **पहली आर्य बस्ती से जुड़ा** है।
 - वाराणसी **बुद्ध के समय (छठी शताब्दी ईसा पूर्व) काशी राज्य की राजधानी थी**, जिन्होंने अपना पहला उपदेश **सारनाथ** के पास दिया था
 - यह शहर **धार्मिक, शैक्षिक और कलात्मक गतिविधियों** का केंद्र बना रहा, जैसा कि प्रसिद्ध **चीन बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग** ने प्रमाणित किया है, जिन्होंने लगभग **635 ई. में यहाँ का दौरा** किया था।
- वर्ष 1194 से शुरू हुए **मुसलमि कब्जे के तीन शताब्दियों के दौरान वाराणसी का पतन हो गया**
- **18वीं शताब्दी में वाराणसी एक स्वतंत्र राज्य बन गया** और बाद में ब्रिटिश शासन के तहत यह एक वाणिज्यिक एवं धार्मिक केंद्र बना रहा।
 - **वर्ष 1910 में अंग्रेजों ने वाराणसी को एक नया भारतीय राज्य बनाया** जिसका मुख्यालय रामनगर (वपिरीत तट पर) था, लेकिन वाराणसी शहर पर इसका कोई अधिकार क्षेत्र नहीं था।
- वर्ष 1947 में **भारतीय स्वतंत्रता के बाद वाराणसी राज्य उत्तर प्रदेश राज्य का हिस्सा बन गया।**